हर आत्मा अलग है लेकिन ग़लत नहीं है - बी.के. शिवानी बहन

“वाह ज़िंदगी! वाह!” विषय पर साईंटिस्ट एंड इंजीनियर्स विंग, राजयोग एज्यूकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन एवं ब्रह्माकुमारीज, लोधी रोड, नई दिल्ली द्वारा श्री सत्य साईं इंटरनेशनल सेंटर में ऑयल इंडिया लिमिटेड, भारत सरकार के सहयोग से पब्लिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए बी.के. शिवानी बहन ने बताया कि हमारी जिंदगी में वाह-वाह क्यों नहीं होती है, क्यों कि हम यह समझते हैं कि सभी लोग हमारे अनुसार चलें। हमने मन में प्रोग्रामिंग की हुई है कि लोग हमारे अनुसार नहीं चलेंगे /करेंगे तो हम खुश नहीं होंगे। हमें अपनी प्रोग्रामिंग बदलनी पड़ेगी कि कोई हमारे अनुसार चले या न चले हमें खुश रहना ही है। जो हमें सही लगता है वह हमारे संस्कार हैं, सामने वाले के संस्कार वह नहीं है, उसके संस्कार अलग हैं। हमें स्वयं को बदलना है।

लोग हमारे अनुसार नहीं भी चलें तो भी हमें खुश रहना है। हमें प्रथम चैप्टर में बताया जाता है सबको आत्मा समझो उनके अलग-अलग संस्कार हैं। हम दोनों आत्मा अलग-अलग हैं दोनों लाईट हैं। हर आत्मा को स्वीकार करना है, अस्वीकार करने का विचार नहीं आना चाहिए। मन को निर्णय करना है कि हम अलग-अलग हैं तभी जिंदगी में मजा आएगा। हमें दूसरों के बारे में नहीं सोचना है। हम किसी को राय दे सकते हैं। वह उसको स्वीकार करे या न करे यह उसकी मर्जी है। हम अपने कार्मिक एकाउंट से बच नहीं सकते। जो होना है वह होकर रहेगा। हम उसे रोक नहीं सकते। मेरी राय उनके कार्मिक एकाउंट से मैच करना आवश्यक नहीं है। हम अपने लिए निर्णय लेने में काफी समय लगाते हैं किंतु दूसरे के लिए शीघ्र फैसला दे देते हैं।

हमें किसी भी कठिन स्थिति में हमेशा यही कहना है वाह क्या दृश्य है। सीन अच्छा हो या बुरा वाह-वाह कहना है। दूसरे की आलोचना करने से वह नहीं बदलेगा, हमें खुद ही बदलना है। हरेक की अपनी विशेषताएं है। हरेक जगह निगेटिव/ पॉजिटिव है। हमें केवल पॉजिटिव ही देखना है। हमें होम वर्क करना

है जिससे हमारी नहीं बनती है उसकी विशेषता लिखें। कोई न कोई विशेषता जरूर मिल ही जाएगी। फिर वही व्यक्ति अच्छा लगने लगेगा। जैसा चिंतन करते हैं वैसा ही चित्त में रहता है। हर आत्मा में दोनों संस्कार होते हैं - झूठ बोलने का तथा सच बोलने का भी। अब हमारे ऊपर है कि हम किस को पानी देते हैं। किसी से टकराव होता है तो मन में कहो तुम शांत स्वरूप आत्मा हो। 10 दिन में फर्क दिखाई देने लगेगा। अच्छे गुण /संस्कार देखो वह अच्छे लगने लगेंगे। हर आत्मा को पावरफुल बनाना है। हर आत्मा लंबी यात्रा पर है, उसके संस्कार रिकार्ड हैं वह गलत नहीं है बल्कि अलग है। कोई भी स्थिति आती है उसका सामना करना है किसी की बुराई नहीं करनी है। शिवानी बहन ने अंत में सभी को गहन राजयोग का अभ्यास कराया तथा जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए ब्रह्माकुमारी राजयोग केन्द्र पर जाने का अनुरोध किया।

न्यायमूर्ति वी. ईश्वरैया, अध्यक्ष, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग, नई दिल्ली ने अपने उद्‌गार व्यक्त करते हुए कहा कि वाह जिंदगी वाह बहुत ही अच्छा विषय है। लाखों लोग अपनी जिंदगी को बहुत अच्छे तरीके से बिता सकते हैं। उन्होंने अपना अनुभव सुनाते हुए कहा कि मुझे न्यायाधीश बनने से भी ज्यादा खुशी तब हुई जब मैं परमात्मा का बच्चा बना। परमात्मा का बच्चा बनना कितने भाग्य की बात है। आजकल प्रॉमिस ज्यादा करते हैं किंतु उसको निभाते नहीं है। परमात्मा दुनिया को स्वर्ग बनाने का कार्य कर रहे हैं। हमें दैवीय गुण धारण करने हैं तभी हम नई दुनिया या स्वर्ग में जाने का भाग्य प्राप्त कर सकते हैं।

राजयोगिनी बी.के. पुष्पा बहन, निदेशिका, ब्रह्माकुमारीज, करोल बाग, नई दिल्ली ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमारी जिंदगी में वाह वाह पद के कारण नहीं लेकिन गुणों और मूल्यों का कारण होती है।

श्री ए. के. पुरवाहा, सीएमडी, इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड ने कहा ब्रहमा कुमारी संस्थान निस्वार्थ भाव से कार्य कर रहा है तथा जिंदगी को खुशनुमा बनाने के लिए बहुत ही सरल तरीके से यहां पढ़ाया जाता है।

सुश्री वीना स्वरूप, निदेशक (मानव संसाधन), इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड ने कहा कार्यालय के कर्मचारियों/ अधिकारियों में तनाव होने से उनकी कार्यक्षमता

प्रभावित होती है। उनके तनाव मुक्त हो जाने से कार्य बहुत अच्छी तरह से चलता है।

बी.के. डा. सविता आनंद, प्रिंसीपल चीफ कंजरवेटर ऑफ फॉरेस्ट, राजस्थान सरकार ने भी अपने जीवन के अनुभव साझा किये।

कार्यक्रम में ऑयल इंडिया लि.(OIL), इंजीनियर्स इंडिया लि.(EIL), भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लि. (BHEL), इन्द्रप्रस्थ गैस लि.(IGL), एन.टी.पी.सी. लि.(NTPC) , स्टील अथॉरिटी आफ इंडिया लि.(SAIL), गेल इंडिया लि.(GAIL), ओ.एन.जी.सी. लि.(ONGC), एन.बी.सी.सी. लि. (NBCC), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD), हडको (HUDCO), दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) के प्रतिनिधियों सहित आईएएस / आईपीएस अधिकारियों, व्यापारियों, वकीलों आदि (लगभग 800) ने भाग लिया।

लोधी रोड की संचालिका बीके गिरिजा बहन ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा बीके पीयूष भाई ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया तथा गीत भी गाये गये।

Each Soul is Different But not Wrong – B.K. Shivani

The Scientists and Engineers Wing of Rajyoga Education and Research Foundation and Brahma Kumaris, Lodhi Road, New Delhi, in cooperation with Oil India Ltd., organised a seminar titled “Wah Zindagi! Wah!” on 17 April 2014 at the local Sri Sathya International Centre.

Sis. BK Shivani, speaking as keynote speaker, said there was no joy in our life because we thought that every person should behave according to me. We have conditioned our mind, she said. Now we have to re-programme our mind whether others follow us or not. We have to smile. The sanskars of each soul were different but not wrong. We have to transform our own sanskars, she added.

In the first lesson itself, we were told that we are all souls. I have to accept and respect every soul and not reject and disrespect. We can give our opinion to others but whether they accept it or not, is up to them. Whatever be the scene, I have to say Wah! Wah!. Never criticise others she said, and we have to do little

homework. With those we are not in good terms, let me write down their qualities. In return, I would start loving them and things will change. Sis. Shivani a conducted mass meditation and requested participants to visit the nearby BK centre.

Justice V. Eswaraiah, Chairperson, National Commission for Backward Classes, Ministry of Social Justice and Empowerment, Govt. of India, speaking as Chief Guest said the subject was good and relevant. He felt very happy when he joined Braham Kumaris. To recognise God as Father was a big achievement in his life. “God is establishing New World Order and we have to claim our fortune”, he remarked.

Rajyogini Pushpa Behn, Director, Brahma Kumaris, Karol Bagh, New Delhi said, Wah! Wah! will happen only when we have values and principles in life. “My high position, bungalow, car etc. cannot give happiness to me”.

Br. AK Purwaha, CMD, Engineers India Ltd., said Brahma Kumaris were transforming life of people without any self-interest.

Ms. Veena Swarup, Director, Engineers India Ltd., said, “Tension brings down the capabilities and calibre of employees and executives. If they are free of stress they enjoy working”.

B.K. Dr. Savita Anand, I.F.S., Principal Chief Conservator of Forests, Govt. of Rajasthan, also shared her experiences.

Delegates from a host of public sector undertakings including Oil India Ltd., Engineers India Ltd., BHEL, Indraprastha Gas Ltd. (IGL), NTPC Ltd., SAIL, Gail (India) Ltd., ONGC, AIIMS, India Meteorological Dept. (IMD), HUDCO, Delhi Development Authority (DDA) and scores of other IAS/ IPS officers and businessmen, advocates participated (Total 800) in programme. Sister BK Girija, In-charge, Lodhi Road Centre welcomed the guests and BK Pius Bhai coordinated the stage.